Name - Anil Kumar
Dept. of Pol. Science
Adarsh College Rajdhanwar

DSE - 4 (A)

Sem - VI (भारत की विदेश नीति)

Lession - 1

Sub - Pol. Science

(Objective Ques.)

(1) भारत की विदेश नीति के मूल सिद्धान्त का समावेश भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया ?
(i) Art - 49 (ii) Art 50 (iii) Art - 51

(2) 'असली गुटनिरपेक्षता' का नारा कब और किस सरकार ने दिया ?
(i) 1972 अटल बिहारी (ii) 1976 गुलजारीलाल नंदा (iii) 1964 शास्त्री
(iv) 1977 मोरारजी देसाई

(3) भारतीय विदेश नीति आधारित है ?
(i) सैनिक संगठन पर (ii) गुटनिरपेक्षता (iii) असहयोग (iv) तटस्थता पर

(4) 'पंचशील' समझौता किन दो देशों के मध्य हुआ था ?
(i) भारत व चीन (ii) भारत व पाक (iii) भारत व श्रीलंका (iv) इनमे से कोई नहीं

(5) भारतीय विदेश नीति का सूत्रधार माना जाता है ?
(i) वाजपेयी (ii) नेहरु (iii) गुजराल (iv) मनमोहन सिंह

(6) 'पंचशील सिद्धांत' के प्रतिपादक कौन थे ?
(i) गाँधी जी (ii) लालबहादुर शास्त्री (iii) वाजपेयी (iv) पंडीत नेहरु

(7) 'पंचशील सिद्धांत' का प्रतिपादन किस वर्ष किया गया ?
(i) 22 Feb 1950 (ii) 24 Mar 1954 (iii) 29 April 1954 (iv) 30 May 1956

(8) 1971 को भारत पाक युद्ध में किस नये देश का जन्म हुआ
(i) नेपाल (ii) भूटान (iii) बांग्लादेश (iv) श्रीलंका

Scanned by CamScanner

(9) नेहरु के अनुसार भारतीय विदेश नीति का आधार है ?
(i) शांति (ii) मित्रता (iii) दोनों (iv) इनमें से कोई नहीं

(10) भारत पर अमरीका द्वारा कब आर्थिक प्रतिबंध लगाये गए ?
(i) 1997 (ii) 1998 (iii) 1999 (iv) 2000

(11) भारत चीन युद्ध हुआ था ?
(i) 1955 (ii) 1962 (iii) 1963 (iv) 2000

Ans → (1) (iii) (2) (iv) (3) (ii) (4) (i)
(5) (ii) (6) (iv) (7) (iii) (8) (iii) (9) (iii)
(10) (ii) (11) (ii)

Anil Kumar
(Adarsh College Ras L. Lamwar)

Scanned by CamScanner

Q. भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांतों का उल्लेख करें ?

भूमिका :-

वर्तमान समय में कोई भी देश अलग - थलग होकर या पूरी तरह आत्मनिर्भर होकर नहीं रह सकता। विभिन्न देशों की विविध प्रकार की जरूरतों की पूर्ति के लिए उनमें पारस्परिक आत्मनिर्भरता उन्हें एक दूसरे के नजदीक लाती है और प्रत्येक राष्ट्र उसकी पूर्ति के लिए लगातार प्रयासरत रहता है। इससे सहयोग और सुरक्षा की भावना विकसित होती है।

किसी भी देश की विदेश नीति मुख्य रूप से कुछ सिद्धान्तों, हितों एवं उद्देश्यों का समूह होता है जिनके माध्यम से वह राज्य दूसरे राज्यों के साथ सम्बन्ध स्थापित करता है।

※ मॉडलस्की के अनुसार :- "विदेश नीति समुदायों द्वारा विकसित उन क्रियाओं की व्यवस्था है जिसके द्वारा एक राज्य दूसरे राज्यों के व्यवहार को बदलने तथा उनकी गतिविधियों को अंतर्राष्ट्रीय वातावरण में ढालने की कोशिश करता है।"

※ भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांत :-

भारत की विदेश नीति का विश्व पर गहरा प्रभाव पड़ा है। भारत का सांस्कृतिक अतीत अत्यंत गौरवपूर्ण रहा है। न केवल पड़ोसी देशों के साथ अपितु दूर-दूर स्थित देशों के साथ भी भारत मैत्रीपूर्ण संबंधों के लिए प्रयत्नशील रहा है।

Scanned by CamScanner

भारत की विदेश नीति की जड़े विगत कई शताब्दियों में विकसित सभ्यताओं के मूल में छिपी है और उसमें प्राचीन तथा मध्ययुगीन चिन्तन शैलियों ब्रिटिश नीतियों की विरासत, स्वाधीनता आन्दोलन तथा वैदेशिक मामलों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहुँच तथा गाँधीवादी दर्शन आदि का प्रभावशाली योग रहा है।

इन सब को लक्ष्य करते हुए भारत की विदेश नीति निर्माताओं ने कुछ सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया है जो इस प्रकार है -

(i) गुट निरपेक्षता
(ii) साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद का विरोध
(iii) नस्लवादी भेदभाव का विरोध
(iv) पंचशील
(v) विश्व शांति का समर्थक
(vi) निःशस्त्रीकरण का समर्थक
(vii) परमाणु नीति
(viii) सार्क से सहयोग

Anil Kumar
(Adarsh College Rajdhanwar)

Scanned by CamScanner